उच्च शिक्षा से व्यक्ति का व्यक्तित्व विकसित होता - डॉ अजय टेंगसे

लोकमत समाचार सेवा

देगलूर कॉलेज में दीक्षांत समारोह, 68 विद्यार्थियों को डिग्री प्रमाण-पत्र प्रदान

देगलूर महाविद्यालय में शुक्रवार को आयोजित डिग्री प्रमाण-पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए डॉ अजय टेंगसे. साथ हैं कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहन खताल व अन्य.

देगलूरः उच्च शिक्षा से व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास होता है. इसलिए मानव जीवन में शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है और एक अच्छा इंसान बनाना शिक्षा प्रणाली की जिम्मेदारी है. जीवन के प्रत्येक व्यवहार में एक अच्छा और सफल जीवन जीने के लिए एक नैतिक आधार होना चाहिए. छात्र को भविष्य में आगे बढ़ते समय अपनी क्षमताओं और सीमाओं को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए. यह बात स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के मानव्य विद्या संकाय के अधिष्ठाता डॉ अजय टेंगसे ने स्थानीय महाविद्यालय में स्नातक छात्रों के लिए आयोजित 25 वें डिग्री प्रमाण-पत्र वितरण समारोह में कही.

समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहन खताल की. इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष प्रकाश पाटील, सचिव शशिकांत चिद्रावार, नारायणराव मैलागिरे, राजकुमार महाजन, जनार्दन चिद्रावार, रवीन्द्रप्पाद्याड़े, देवेन्द्र मोतेवार, डॉ राजेश्वर दुडुकनाले, डॉ संजय पाटील, डॉ सर्जेराव रणखांब, डॉ किशन सुनेवार, डॉ लक्ष्मण सुदाम, राजू जंगिलवार आदि प्रमुख रुप से उपस्थित थे.

अपने अध्यक्षीय भाषण में प्राचार्य डॉ मोहन खताल ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि स्नातक-स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त करना छात्रों के जीवन में सबसे बड़ा ख़ुशी का दिन होता है. स्नातक की उपाधि मिलने के पश्चात ही स्नातकोत्तर की शिक्षा ले सकते है. उन्होंने कहा की आज भी हमारे देश में उच्च शिक्षा की दर 27 प्रतिशत है और उच्च शिक्षा के अनुपात को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया. समारोह की शुरुआत दीप प्रज्लवन और विश्वविद्यालय गीत के साथ स्वामी रामानंद तीर्थ की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई. कार्यक्रम की प्रस्तावना डॉ राजेश्वर दुडुकनाले ने रखी, तो संचालन डॉ रत्नाकर लक्षटे ने किया. जबकि आभार डॉ बीआर कतूरवार ने व्यक्त किया. समारोह में शीतकालीन 2021 और ग्रीष्मकालीन 2022 में परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कुल 68 छात्रों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा डिग्री प्रमाण -पत्र प्रदान किए गए. समारोह की सफलता के लिए डॉ सचिन कोंडेकर, डॉ भानुदास नरवाडे, डॉ राजकुमार पोकलवार, डॉ विनय भोगले, सुरेश काशिदे, प्रा गणेश क्यादारे, प्रा विनोद काले, कार्यालय अधीक्षक गोविंद जोशी, प्रशांत चौहान, प्रकाश सोनकांबले, किशन पांचाल, अशोक मामिडवार सहित सदस्यों ने प्रयास किए.

Scanned with OKEN Scanner